महत्वपूर्ण एवं खास

पूर्व विवाद के चलते दो पक्ष आपस में भिड़े

रायपुर (आरएनएस)। मंगलबाजार में पूर्व विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। दोनों पक्षों की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज किया है। मिली जानकारी के अनुसार पहले पक्ष से प्रार्थिया पुन्नी लेचिया 32 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी पवन, सुरेश, संतोष, चंदन, अशोक व अन्य ने एक राय होकर लाठी डंडा से प्रार्थिया व उसकी सास से गाली-गलौज कर मारपीट किया। वहीं दूसरे पक्ष से प्रार्थिया बसंती बनोदिया 36 वर्ष ने थाना में शिकायत किया कि आरोपी अजय, प्रदीप, शक्ति, संजू व अन्य ने पुर्व विवाद के चलते प्रार्थिया से गाली-गलौज कर मारपीट किया। दोनों पक्षों की शिकायत पर आजाद चौक पुलिस ने काउंटर अपराध दर्ज कर जांच में लिया है।

13 जुआरी चढ़े पुलिस के हत्थे

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी पुलिस ने अभियान चलाकर जुआ खेलते हुए 13 जुआरियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 37360 रुपए जब्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार खमतराई पुलिस ने ट्रांसपोर्ट नगर प्रिंस लॉज के पास जुआ खेलते आरोपी अशोक 32 वर्ष सहित अन्य 5 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 3800 रुपए जब्त किया है। इसी तरह गोबरानवापारा पुलिस ने पारागांव के पास जुआ खेलते आरोपी आसाराम 30 वर्ष सहित अन्य 2 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इसके पास से ताशपत्ती सहित नकदी 360 रुपए जब्त किया है। वहीं माना पुलिस ने माना बस्ती के पास जुआ खेलते आरोपी भूपेन्द्र सिन्हा 35 वर्ष सहित अन्य 3 को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से ताशपत्ती सहित नकदी 33200 रुपए जब्त किया है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

फूलसर व रोदे में बड़ी मात्रा में फसल रौंदी हाथियों ने

कोरबा (आरएनएस)। वनमंडल कटघोरा के केंदई रेंज में घूम रहे 43 हाथियों का दल बीती रात एक बार फिर रोदे व फुलसर गांव में पहुंचकर बड़ी मात्रा में किसानों की धान की फसल को चौपट कर दिया। फसल पककर तैयार थी और किसान उसे काटकर अपने खलिहान ले जाने की तैयारी कर रहे थे। इसी बीच हाथियों का दल अचानक यहां पहुंचा और फसल को तहस.नहस कर दिया जिससे संबंधित किसानों के मेहनत व अरमानों पर पानी फिर गया है। किसानों को भारी आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। कल हाथियों के इस दल ने कोरबी व आसपास के गांवों में जमकर उत्पात मचाया था और खेतों में पहुंचकर धान की फसल को खा गए थे। वन विभाग द्वारा हाथियों को खदेडऩे का लगातार प्रयास किया जा रहा है लेकिन इसमें सफलता नहीं मिल पा रही है। फलस्वरूप हाथी समस्या जस की तस बनी हुई है और ग्रामीण नुकसान उठाने को विवश हैं। कटघोरा वनमंडल हाथियों को भा गया है और उसने इसे अपना रहवास क्षेत्र भी बना लिया है। हाथियों का दल कभी पसान रेंज में पहुंचकर उत्पात मचाता है तो कभी केंदई व ऐतमानगर रेंज में। हाथी समस्या का स्थायी समाधान न तो प्रशासन ही निकाल पा रहा है और न ही वन विभाग।

अंचल में गोवर्धन पूजा पर गौवंशों को खिलाई खिचड़ी

नगरी (आरएनएस)। सिहावा - नगरी क्षेत्र में गोवर्धन पूजा धूमधाम से मनाई गई। बुधवार को घरों में गोवर्धन पूजा कर गौवंशों को खिचड़ी खिलाई गई। इस अवसर पर नगर के नाग परिवार के सदस्यों ने भी गायों की पूजा अर्चना कर खिचड़ी खिलाई। वरिष्ठ कांग्रेसी अमृत लाल नाग ने कहा कि प्रदेश के मुखिया भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ की परंपरा और संस्कृति को सहेजने का काम किया। प्रदेश कांग्रेस सरकार की नीतियों से आज गांव, गऱीब - किसान, मजदूर, युवा वर्ग, महिलाएं एवं कर्मचारी सहित सभी वर्ग खुश है। सीएम बघेल की पहल से छत्तीसगढ़ के तीज त्यौहारों एवं पारम्परिक लोक पर्वों का मान बढ़ा है। इस अवसर पर बीरेंद्र नाग, मदन नाग, रूद्र प्रताप नाग सहित परिवार के सदस्य मौजूद थे।

कमिश्नर ने एसडीएम एवं तहसील कार्यालय का किया निरीक्षण, राजस्व प्रकरणों के त्वरित निराकरण एवं रिकॉर्ड दुरुस्ती के दिए निर्देश

❑ **कमिश्नर डॉ.संजय अलंग पहुंचे नव गठित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़**

सारंगढ़-बिलाईगढ़। संभागायुक्त बिलासपुर डॉ.संजय अलंग आज नवगठित जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ पहुंचे। यहां उन्होंने वार्षिक निरीक्षण रोस्टर एवं राजस्व प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के तहत बिलाईगढ़ स्थित एसडीएम एवं तहसील कार्यालय के अलावा भटगांव तहसील कार्यालय का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर डी.राहुल वेंकट भी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त डॉ.अलंग ने तहसील कार्यालय में राजस्व अभिलेखों एवं दस्तावेजों का अवलोकन करते हुए अविवादित नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन भू-अर्जन के लंबित और निराकृत प्रकरणों की जानकारी ली और लंबित प्रकरणों को निर्धारित अवधि में निराकृत कर रिकार्ड दुरूस्त करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने उपस्थिति पंजी, सर्विस बुक और रिकार्ड रूम, डब्लूवीएन, माल जमादार, नकल शाखा, नायब नजीर, राजस्व न्यायालय, रीडर शाखा, कानूनगो शाखा, नजरात शाखा सहित अन्य शाखा के समस्त पंजियों का अवलोकन किया और सभी शाखाओं के पंजियों को अपडेट करने के निर्देश दिए।

संभागायुक्त डॉ.अलंग ने नक्शा अपडेट, डिजीटल हस्ताक्षर, नक्शा, खसरा और बी-1 के प्रति के संबंध में भी जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान

उन्होंने सिवाय आमदनी पंजी, नोटिस तामिली के संबंध में भी जानकारी प्राप्त की और तहसीलदार को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने नक्शा सहित रिकार्ड दुरूस्ती पर मिशन मोड पर कार्य करने के निर्देश दिए। बिलाईगढ़ में पत्रकारों के द्वारा निरीक्षण के संबंध में पूछे जाने पर संभागायुक्त डॉ.अलंग ने कहा की वार्षिक निरीक्षण एवं राजस्व प्रशासनिक सुदृढ़ीकरण के तहत निर्धारित प्रक्रिया के तहत निरीक्षण किया जा रहा है, जिससे किसानों को धान विक्रय में परेशानी नहीं होगी। इस दौरान उन्होंने पक्षकारों एवं अधिवक्ताओं से चर्चा कर तहसील के कामकाज की भी जानकारी ली।

इस मौके पर एडीएम निष्ठा पाण्डेय तिवारी, ज्वाईंट कलेक्टर डॉ.स्निधा तिवारी, एसडीएम सारंगढ़ मोनिका वर्मा, एसडीएम बिलाईगढ़ के.एल. सोरी सहित तहसीलदार एवं राजस्व अधिकारी उपस्थित रहे।

संभागायुक्त ने ली राजस्व अधिकारियों की समीक्षा बैठक- संभागायुक्त बिलासपुर डॉ.अलंग ने नगर पंचायत भटगांव में राजस्व विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने राजस्व प्रकरणों की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों के जल्द निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने नामांतरण, सीमांकन और बंटवारा जैसे प्रकरणों में अविलंब कार्य करने के लिए निर्देशित किया। संभागायुक्त डॉ.अलंग ने आरबीसी 6-4 के प्रकरण को समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। बैठक के दौरान संभागायुक्त डॉ.अलंग ने राजस्व विभाग से जुड़े फौती नामांतरण, नामांतरण, आपसी बंटवारा, सीमांकन, किसान किताब प्रदाय करना, बी-1, आय, जाति, निवास, डिजिटल हस्ताक्षरित अभिलेख उपलब्ध कराना, राजस्व कोर्ट में लंबित प्रकरणों का निराकरण व आदेश प्रदाय करना तथा रिकार्ड दुरूस्ती व अन्य राजस्व संबंधी कार्यो की क्रमवार समीक्षा करते हुए इसे तेजी से निराकरण के निर्देश दिए। जिससे किसानों के साथ हितग्राहियों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि तामिली समय पर हो, ताकि अपील समय पर सुनिश्चित हो सके। उन्होंने सभी एसडीएम एवं तहसीलदार को राजस्व प्रकरणों के मॉनिटरिंग के लिए टेबल निरीक्षण के निर्देश दिए।

विकास खंड स्तरीय कबाड़ से जुगाड कार्यक्रम: ग्रामीण प्रतिभाओं की खोज एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण पैदा करने की अभिनव पहल

❑ **प्राथमिक/ माध्यमिक के बच्चों ने दिखाया कला कौशल का जौहर**

सारंगढ़। समग्र शिक्षा कार्यक्रम के तहत इन दिनों जिला के सभी विकास खंडों में कबाड़ से जुगाड कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है।इस अभियान के अंतर्गत कबाड़/ अनुपयोगी हो चुके वस्तुओं को एकत्र कर उपयोगी एवम पठन पाठन के लिए सहायक शिक्षण सामग्री बनाने पर जोर दिया जा रहा है।इस कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीण अंचलों में अध्ध्ययन् रत विद्यार्थियों मे अंतर्निहित प्रतिभा की खोज करना एवम स्थानीय परिवेश के अनुरूप पर्यावरण संरक्षण के साथ साथ वैज्ञानिक नजरिए /सोच विकसित करना है। इन्ही उद्देश्यों को लेकर कलेक्टर डी राहुल वेंकट के निर्देशानुसार ओएसडी जिला शिक्षा जांगड़े मैडम एवम जिला मिशन समन्वयक नरेंद्र चौधरी के कुशल मार्गदर्शन में आज दिनांक 28अक्टूबर को स्थानीय आत्मानंद इंग्लिश विद्यालय सारंगढ़ मे विकासखंड स्तरीय कबाड़ से जुगाड कार्यशाला का आयोजन किया गया। शून्य निवेश नवाचारी शिक्षा के अवधारणा के अंतर्गत सभी स्तर के बच्चों ने वैज्ञानिक प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए विज्ञान,गणित और पर्यावरण से संबंधित विविध आकर्षक,ज्ञानवर्धक मॉडलों का प्रस्तुतिकरण किए। विकास खंड के सभी चौवन संकुलों से चयनित सभी स्तर के प्रतिभागियों ने सहभागिता करते हुए अपनी अपनी। वैज्ञानिक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किए।विकासखंड शिक्षा अधिकारी आरके कश्यप ने इस कार्यक्रम के बारे मे बताया कि इस अभियान का उद्देश्य बच्चों मे विज्ञान एवम गणित के लिए उत्सुकता और सृजनता की भावना का समावेश करना है। ओ एस डी जिला शिक्षा जांगड़े मैडम ने बच्चों की वैज्ञानिक प्रतिभा की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण बाल प्रतिभाओं को एक बेहतर मंच देने के लिए सरकार बच्चों को राष्ट्रीय आविष्कार अभियान से जोड़ने जा रही है।इस अभियान के तहत गणित और विज्ञान विषयों मे रुचि रखने वाले बच्चों को आविष्कार करने के लिए प्रेरित करने के लिए सार्थक पहल किया जा रहा है।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुरषोत्तम साहू एवम विशिष्ट अतिथिगण अरुण मालाकार,सूरज तिवारी तथा अन्य जनप्रतिनिधियों ने बाल वैज्ञानिकों की बहुमुखी प्रतिभा एवम कला कौशल की मुक्त कंठ से प्रसंशा करते हुए उन्हें जिला स्तरीय प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दिए।अतिथि गणों ने कहा कि ग्रामीण अंचलों में पढ़ने वाले बच्चों मे प्रतिभा की कोई कमी नही है। जरूरत है उन्हें पहचानने,तराशने,संवारने और संरक्षण की। आज के इस कार्यक्रम मे बच्चों के द्वारा विभिन्न उपयोगी मॉडल उनके बहुमुखी प्रतिभा और वैज्ञानिक नजरिए को प्रदर्शित करता है।

हैवी ब्लास्टिंग से गिरी टंकी, कोई हताहत नहीं

कोरबा (आरएनएस)। एसईसीएल दीपका खदान में कोयला उत्खनन के लिए किए जा रहे हैवी ब्लास्टिंग की वजह से हरदी बाजार में एक पानी टंकी भरभरा कर गिर गई। पानी टंकी हरदीबाजार निवासी प्रमोद गुड्डा जायसवाल पिता नर्मदा जायसवाल का है। मपानी टंकी गिरने से प्रमोद गुड्डा जायसवाल ने क्षतिपूर्ति की मांग दीपका महाप्रबंधक से की है।

बताया जा रहा है कि जहां घटना हुई वहां पर एक निजी स्कूल संचालित हो रहा है और यहां मकान में परिवार रह रहे हैं। इनके लिए पानी की व्यवस्था के लिए पानी टंकी बनाई गई थी। खदान में होने वाले हैवी ब्लास्टिंग की वजह से अचानक पानी टंकी भरभरा कर गिर गई, जहां घटना हुई वहां पर हमेशा बच्चे खेलते रहते हैं। दोपहर में घटना होने की वजह से किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, जबकि यहां पर स्कूल सहित कई परिवार निवास करते हैं। ग्रामीणों ने कहा कि क्षेत्र के गेवरा खदान व दीपका खदान में रोजाना अपने कोयला की प्रोडक्शन के लिए हैवी ब्लास्टिंग कराया जाता है, जिसके कारण हरदी बाजार क्षेत्र सहित अन्य जगहों पर भी हैंडपंप, कुआं भी धंस चुका है। कई मकान भी क्षतिग्रस्त हो चुके है।

वन अमला का ऑपरेशन रेस्क्यू सफल : कुएं में गिरे तीनों हाथी जंगल में सुरक्षित और स्वस्थ्य

❑ **मामला नगरी के दुगली वन परिक्षेत्र के चारगांव का**

धमतरी (आरएनएस)। वनांचल नगरी के दुगली वन परिक्षेत्र के ग्राम चारगांव में कल रात तकरीबन आठ बजे किसान श्री रमेश नेताम के खेत के कुएं में तीन हाथी गिर गए थे। इस बात की जानकारी मिलते ही वनमण्डलाधिकारी श्री मयंक पाण्डेय सहित वन अमला मौके पर पहुंचा। मौके पर खेत के चारों ओर लगभग 30 हाथी विचरण कर रहे थे। उनमें किसी तरह की बेचैनी नजर नहीं आ रही थी। इससे अनुमान लगाया गया कि खेत के कुएं में गिरे हाथी सुरक्षित हैं। सुरक्षा की दृष्टि से रात में ऑपरेशन रेस्क्यू नहीं करने का निर्णय लिया गया। लेकिन वन अमले ने दो

जेसीबी, सर्च लाइट्स, रेत और लकड़ी के लट्ठे आदि की व्यवस्था कर ली थी, ताकि जरूरत पडऩे पर उसका इस्तेमाल किया जाए।

इस बीच सुबह पांच बजे कुएं में गिरे तीन हाथी में से दो हाथी नजदीक के सोलर संयंत्र के सहारे बाहर आ गए। तीसरा हाथी नहीं निकल पा रहा था। इसके लिए वन अमले ने जेसीबी से कुएं के एक छोर को हटाया, ताकि वह हाथी उस छोर से निकल सके। थोड़ी देर में हाथी निकल आया। इस ऑपरेशन का नतीजा काफी संतोषजनक रहा। अब तीनों हाथी जंगल के भीतर सुरक्षित और स्वस्थ हैं।

धान खरीदी के पूर्व अवैध धान परिवहन व भंडारण पर जिला प्रशासन सख्त, सुपेबेड़ा में 181 बोरा धान जब्त

गरियाबंद (आरएनएस)। राज्य सरकार द्वारा समर्थन मूल्य पर धान खरीदी 1 नवंबर से की जानी है ।इसे देखते हुए जिला प्रशासन सख्त हो गया है। विशेषकर अंतरराज्यीय बॉर्डर पर विशेष चेकपोस्ट बनाये गए हैं।ओडिशा राज्य की सीमा से लगे देवभोग विकासखंड में कलेक्टर प्रभात मलिक के

निर्देशानुसार लगातार अवैध परिवहन एवं भंडारण पर कार्रवाई की जा रही है।उन्होंने संबंधित अनुभाग अधिकारियों को टीम बनाकर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं । ज्ञात है कि जिले में भी धान खरीदी की तैयारियां पूर्ण कर ली गई है। 82 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी की जाएगी सभी केंद्रों में नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। इसके अलावा जहां अवैध परिवहन की आशंका है ऐसे 28 चेक पोस्ट बनाए गए हैं जहां सयुंक्त टीम मौजूद रहेगी।राजस्व, पुलिस एवम पंचायत विभाग द्वारा बीती रात ग्राम सुपेबेड़ा में अवैध

रूप से धान भंडारण की जब्ती की गई एवं सील किया गया।यहाँ कुल 181 बोरे धान 3 जगहों में पाए गए।इसी तरह गुरुवार को ही देवभोग अनुविभागीय अधिकारी अर्पिता पाठक के निर्देश पर खाद्य व मंडी के द्वारा रात्रि गस्त के दौरान अवैध धान परिवहन करते हुए वाहन क्रमांक ष्ट.त्र.19 ॥ 3114 पिकप वाहन में 60 बोरी धान को जप्त किया गया। वाहन उड़ीसा के सिंगझर से देवभोग केंटपदर लाया जा रहा था जिसे साहयक खाद्य अधिकारी देवभोग, मंडी निरीक्षक रजनीकांत तिवारी के द्वारा जप्त कर थाना देवभोग के सुपुर्दगी में दिया गया है।एसडीएम ने बताया कि अवैध परिवहन और भंडारण पर लगातार कार्रवाई की जाएगी।

राज्य युवा आयोग के सदस्य नक्सली सहयोगी आरोपी के परिजन से मिले

बीजापुर (आरएनएस)। नक्सलियों सहयोगी के आरोप में कांग्रेस कार्यकर्ता केजी सत्यम को तेलंगाना पुलिस गिरफ्तार करने के बाद सियासी बयान बाजी को दरकिनार करते हुए राज्य युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह शुक्रवार को सत्यम के घर पहुंचे और परेशान परिजनों का हौसला बढ़ाया। परिजनों से हाल चाल जानने पहुंचे अजय ने उन्हें विश्वास दिलाया कि परिवार की विषम परिस्थितियों में वे सदैव उनके साथ है। फिलहाल सत्यम की गिरफ्तारी के बाद राजनीतिक बयानबाजी से परेशान परिवार के बीच अजय के पहुंचने और आर्थिक मदद की चर्चा बीजापुर जिले चर्चा का विषय है।

राज्य युवा आयोग के सदस्य अजय सिंह ने कहा कि सत्यम के विरुद्ध जो अभी आरोप है, तथ्य प्राप्त हुए है, उन्हें न्याय व्यवस्था पर पूरी आस्था है, सत्यम निर्दोष है तो उन्हें और उनके परिवार को न्याय जरूर मिलेगा, परिजनों का हौसला बढ़ाते हुए अजय ने कहा कि उन्हें ज्यादा चिंता करने की आवश्यकता नहीं, न्याय के लिए जिस तरह की मदद की आवश्यकता पड़ेगी, वे हमेशा सत्यम के परिवार के साथ है।

अजय सिंह ने कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि कांग्रेस की यह पुरानी फितरत रही है कि जब-जब पार्टी का कोई भी कार्यकर्ता मुसीबत में हो, पार्टी में चल रही अनुचित गतिविधियों पर सवाल दागे तो उसे पार्टी से दरकिनार कर दिया जाता है, सत्यम के मामले में कांग्रेस उसी ढर्रे पर नजर आई है।

गिरफ्तारी की खबरे आने के बाद जहां प्रदेश हाईकमान ने बयान जारी कर उससे पार्टी का सम्बंध होने से इनकार कर दिया था।

उन्होने कहा कि विधायक विक्रम के साथ वायरल तस्वीरें और जिला कार्यकारिणी में उसकी सक्रियता के चलते जिला कांग्रेस को प्रदेश हाईकमान के बयान के विपरीत जाकर बयान जारी करना पड़ा और मजबूरी में कार्यकर्ता स्वीकार करना पड़ा, जिससे जाहिर है कि कांग्रेस में कार्यकर्ताओं को लेकर उनके शीर्ष नेताओ का नजरिया केवल निज स्वार्थ तक सिमटा हुआ है।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितों को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गवर्निंग बोर्ड के सदस्यों कुम सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी ठाकुरे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियां की जावेगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तों का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवं पर्यावरण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छत्तीसगढ़ प्रदेश में महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक तौर के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंतर्राष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित करायेगा।

पढ़िए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU

स्वस्थ जीवन शैली और उच्च रक्तचाप को नियंत्रित कर स्ट्रोक से बच सकते है

❑ **गंभीरता से लें स्ट्रोक की समस्या को**

❑ **40 साल के बाद रूटीन हेल्थ चेक अप कराएं:डॉ. पीके गुप्ता**

रायगढ़ । बदली जीवनशैली व अनियमित दिनचर्या से स्ट्रोक के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। अचानक से होने वाली मस्तिष्क की इस समस्या में यदि समय पर उपचार मिल जाता है तो काफी संभावना रहती है कि व्यक्ति पूरी तरह से स्वस्थ हो जाए। उपचार में देरी से स्ट्रोक शारीरिक व मानसिक सेहत खराब होने का कारण बन सकता है। स्ट्रोक के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता फैलाने के लिए प्रति वर्ष 29 अक्टूबर को विश्व स्ट्रोक दिवस मनाया जाता है।

स्ट्रोक मस्तिष्क घात के नाम से भी जाना जाता है। विश्व आघात दिवस परलोगों को स्ट्रोक (मस्तिष्क घात) से होने वाले खतरों के प्रति आगाह करने के साथ साथ उनको इससे बचाव के उपाय भी सुझाने का प्रयास किया जाताहै। विश्व स्ट्रोक संगठन के अनुसार स्ट्रोक का खतरा हर चार व्यक्तियों में से एक को होता है। इसलिए इस बार की थीम "Minutes can save lives" रखी गयी है।

इस बारे में जिला अस्पताल के मेडिकल स्पेशलिस्ट डॉ. पीके गुप्ता ने बताया:"स्ट्रोक की समस्या दो कारणों से होती है। पहला कारण मस्तिष्क को मिलने वाली रक्त की पर्याप्त मात्रा का बाधित होना है। इसमें आर्टिलरी फट जाती है, जिससे मस्तिष्क के किसी भी भाग में रक्त का थक्का बन जाता है। इसे माइनर स्ट्रोक कहते हैं। दूसरा कारण आर्टिलरी के फटने से अधिक रक्तस्राव का होना है। इसमें रक्त मस्तिष्क के किसी भाग में जमा हो जाता है। इससे मस्तिष्क की कार्य प्रणाली बाधित हो जाती है। इसे मेजर स्ट्रोक कहते हैं। स्ट्रोक उम्र और लिंग से परे है लेकिन 50 साल के बाद स्ट्रोक होने का ज्यादा खतरा रहता है। वर्तमान की स्थिति में लोग 40 साल के बाद रूटीन तौर पर अपना हेल्थ चेकअप कराते हैं। ब्लड प्रेशर और डायबिटीजपेनलेस बीमारी है और कब आपको स्ट्रोक दे दे भरोसा नहीं इसलिए इसकी निगरानी जरूरी है।"

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मधुलिका सिंह ठाकुर ने बताया: "भाग दौड़ की ज़िंदगी में लोग काफी मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। ऐसे में उनको स्ट्रोक होने का जोखिम और अधिक है। इसलिए स्ट्रोक के प्रति अधिक सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। तनाव से दूर रहे और जीवन में छोटी छोटी बातों में खुशियां तलाशे। विश्व स्ट्रोक संगठन के अनुसार पूरी दुनिया में हर वर्ष लगभग 1.70 करोड़ लोग स्ट्रोक्स की समस्या का सामना करते हैं जिसमें से 60 लाख लोग तो मर जाते हैं जबकि 50 लाख लोग स्थायी रूप से विकलांग हो जाते हैं। दुनिया में होने वाली मौतों में स्ट्रोक दूसरा प्रमुख कारण है। जबकि विकलांगता होने का यह तीसरा प्रमुख कारण है। इतना गंभीर होने के बावजूद भी कम से कम आधे से अधिक स्ट्रोक्स को लोगों में पर्याप्त जागरूकता पैदा कर रोका जा सकता है। किसी भी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ,प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और हेल्थ एण्ड वेलनेस सेंटर में आप नियमित जाँच करवा सकते हैं।"